



॥ दीपावली के व्रत एवं कथा ॥
ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ दीपावली के व्रत एवं कथा ॥

दीपावली की पूजा के साथ कई धार्मिक और लोक परंपराएँ जुड़ी हुई हैं। विशेष रूप से माता लक्ष्मी की पूजा के अवसर पर लक्ष्मी जी से संबंधित कथाओं का पाठ किया जाता है। दीपावली की एक प्रसिद्ध लोककथा इस प्रकार है:

माता लक्ष्मी और निर्धन स्त्री की कथा

प्राचीन समय की बात है। एक नगर में एक बहुत ही गरीब स्त्री रहती थी। वह अत्यंत श्रद्धालु और धार्मिक स्वभाव की थी। उसके घर में धन-संपत्ति का अभाव था, लेकिन वह प्रतिदिन भगवान का स्मरण करती और अपने सामर्थ्य के अनुसार पूजा-पाठ करती थी।

एक दिन उसे एक वृद्ध स्त्री मिली। वृद्धा ने उसे दीपावली के दिन घर की अच्छी तरह सफाई करने, संध्या के समय दीपक जलाने और श्रद्धापूर्वक माता लक्ष्मी की पूजा करने की सलाह दी। उसने कहा कि माता लक्ष्मी स्वच्छता, श्रद्धा, सदाचार और परिश्रम से प्रसन्न होती हैं।

गरीब स्त्री ने वृद्धा की बात मान ली। दीपावली के दिन उसने अपने छोटे से घर को साफ किया, घर के बाहर रंगोली बनाई और मिट्टी के दीपक जलाए। उसने अपनी सामर्थ्य के अनुसार माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की तथा सच्चे मन से प्रार्थना की।

उसकी श्रद्धा और भक्ति से प्रसन्न होकर माता लक्ष्मी ने उसके घर में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया। धीरे-धीरे उसके जीवन की कठिनाइयाँ दूर होने लगीं। उसे अपने परिश्रम का उचित फल मिलने लगा और उसके घर में सुख, शांति और समृद्धि आने लगी।

स्त्री ने कभी अहंकार नहीं किया। उसने अपनी समृद्धि का उपयोग परिवार और जरूरतमंद लोगों की सहायता में किया। इस प्रकार उसका जीवन सुखी और मंगलमय हो गया।

कथा से मिलने वाली सीख

दीपावली की कथा हमें सिखाती है कि केवल धन की इच्छा करना ही पर्याप्त नहीं है। स्वच्छता, श्रद्धा, ईमानदारी, परिश्रम, सदाचार और दूसरों की सहायता करने की भावना भी जीवन में समृद्धि का आधार हैं। माता लक्ष्मी की पूजा करते समय मन में सकारात्मक विचार और दूसरों के प्रति करुणा रखना चाहिए।

दीपावली पूजा के समय प्रार्थना

ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।

हे माता लक्ष्मी! हमारे घर में सुख, शांति, समृद्धि और सद्बुद्धि प्रदान करें। हमारे जीवन से दरिद्रता, नकारात्मकता और सभी प्रकार के कष्टों को दूर करें तथा हमें धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की शक्ति दें।

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"